प्रश्न - प्राचीन काल में प्रचलित दमन के साथ-साथ गरीबी फ्रांस में क्रांति के लिए जिम्मेदार थी। क्या आप सहमत हैं

उत्तर फ्रांस कि क्रांति का अर्थ :- इस क्रान्ति ने आधुनिक इतिहास की दिशा बदल दी। इससे विश्व भर में पूर्ण राजतन्त्र का अन्त होना शुरू हुआ एवं गणतंत्र का उदय है,

* फ्रांस कि क्रांति के लिए निम्नलिखित कारक जिम्मेदार थे

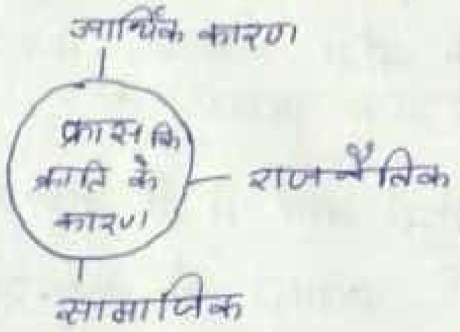

* आर्थिक कारण -

- अमेरिका को सैन्य मदद पहुँचाने के कारण फ्रांस का दुःख दरिद्रता में निम्नलिखित कारणों से बढ़ गया
- फ्रांस में कर्जा हद से ज्यादा बढ़ गया था (कर्जे आंतरिक एवं बाहरी स्त्रोत दोनों से लिया गया)
- आय से ज्यादा खर्चा बढ़ गया था
- 1787 में सूखा पड़ने के कारण फसल खराब होने के कारण जिसके पश्चात् समाज में महँगाई का स्तर भी बढ़ गया।

राजनैतिक कारण :-

- फ्रांस कि राजव्यवस्था में राजा को ईश्वर का प्रतिनिधित्व माना जाता था तथा राजा ईश्वर के प्रति ही उत्तरदायी था
- राजा एक अयोग्य राजा था जिसके कारण समाज में अराजकता आई।

- राजा कि पत्नी भ्रष्ट मंत्रियों के साथ मिलकर गलत निर्णय लेने लग गई
- प्रांत एवं स्थानीय प्रशासन लोगों को सेवा देने मे विफल रहा एवं लोगों पर अत्याचार किए।

सामाजिक कारण :-

- समाज मे उच्च दो वर्गों के लिए सभी प्रकार के कर माफ थे
- उच्च वर्ग के लोग सभी प्रशासनिक पदो पर ग्रहण थे
- उच्च वर्ग के लोग व्यापार करना, उद्योग लगाना अपनी शान के खिलाफ समझते थे।

* समाज मे तीनों वर्गों मे ही नाराजगी थी

- व्यापारि वर्ग समाज मे सबसे ज्यादा पैसा कमाता था मगर उसका स्थान निम्न वर्ग मे था
- सामन्तवाद मे नाते रिश्तेदार ही उच्च पदो पर आसीन थे। एव काबिल लोग निम्न पद पर ही रह जाते थे
- पादरी वर्ग से छोटे पादरी वर्ग असमानता का शिकार थे

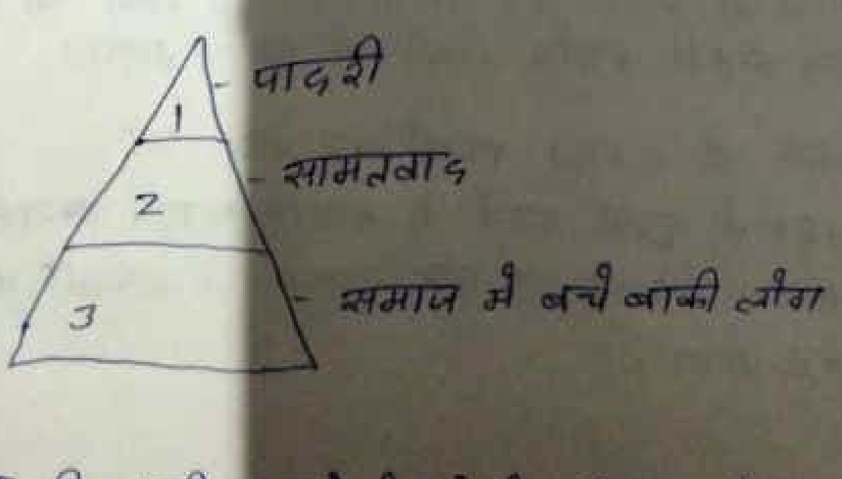

निष्कर्ष :- फ्रांस कि क्रांति दुसरे देशों के लिए भी प्रेरणा बनी दुसरे देशों ने अपने यहाँ राजव्यवस्था को खत्म करके लोकतंत्र व्यवस्था शुरू कि।